%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 677

NO. 356

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 881; A. R. No. 288-N of 1899 )

Ś. 1297

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शाकाव्दे [मु]नि-रत्न-भानुगणिते तै(पौ)ष्ये [वि]धो-

र्व्वासरे श्रीसिंहाचलनायक-

(२।) स्य[पु]रतो दीपप्रदीप्त्यै मु[दा] । दीपां सप्रतिमां तदु[ज्व]लकृतेः

पंचाशतं सद्-

(३।) ग[वा]ं प्रादा{प्रादा} दासमसज्ञकम्य तनयः श्री[प]द्मनाभ [ः]

प्रभुः [।।] श्रीशकवर्षवुलु -

(४।) २९७ गुनेंटि पुष्य पुन्न(ण्ण)म(मि)यु सोमवार[मु]नांडु<2> आत्रेयगों-

(गो)त्रजुडैन अन-

(५।) म नायुनि कोडुकु पद्मनायु डु तनकु [इ]ष्टार्त्थसिद्धिगा श्रीनरसि[ं]ह्यनाथुनि

(६।) सन्निधिनि नित्यमुन्नु ओक अखडदीपमु वेलुंगुटकुं वेट्टिन मोदालु २५ [।]

(७।) ई दीपप्रतिम(मा) ओ १ ई मोदालनु काचि नेलपडि नेइ कुंचालु एडु

(८।) कुंच[लु]नु अड्डंडु लेक्क कु ७ तेचि पेट्टनु नारायण नायुनि कोडू(डु)कु

(९।) {कु} अनात्त सेनापतिकि ओड्डदिनि पुटे[ं]ड जलक्षेत्रमु पुट्टं-

(१०।) डु वि[लि]चि आचद्रार्क्क स्त(स्था)इगा वेट्टेनु ।। ई धर्म्म श्रीवै-

(११।) ष्णवु रक्ष [।] शत्रुणा[पि]कृतो धर्म्मः पालनीयो मनीपिभिः । शत्रुरेव हि

(१२।) शत्रुस्याद्धर्म्म[ः] शत्रुन्नं कस्यचित्[।।] श्री श्री श्री [।।]

<1. In the twentieth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 7th January, 1376 A. D., Monday.>